eVidyarthi
FREE Education

A–BRL–M–GJTA

इतिहास
प्रश्न-पत्र—I

HISTORY
Paper—I

समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी अनुदेश

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

कुल आठ (8) प्रश्न **दो खण्डों** में विभक्त किए गए हैं तथा वह **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों भाषाओं में छपे हुये हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न क्रमांक **1** एवं **5** अनिवार्य हैं। शेष प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम से कम **एक** प्रश्न चुनते हुए **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक प्रश्न के अंत में सूचित हैं।

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में उत्तर लिखना आवश्यक है तथा यह क्यूसीए (Question-cum-Answer) पुस्तिका में निर्दिष्ट जगह पर उल्लेख करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तरों को अंक नहीं दिये जायेंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट किये गये शब्द संख्या के अनुसार होना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तर क्रमिक विन्यास में गिने जायेंगे। नहीं काटे गए प्रश्न के उत्तर को भी गिनती में लिया जायेगा यद्यपि उसके उत्तर आंशिक रूप में दिए गए हों। उत्तर-पुस्तिका में कोई पन्ना या पन्ना के अंश अगर खाली हैं तो उसे/उन्हें स्पष्ट रूप से काट देना जरूरी है।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

खण्ड—अ

SECTION—A

Q.1. आपको दी गई प्रश्नोत्तर-पुस्तक में दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए और अपनी प्रश्नोत्तर-पुस्तक में नियत स्थान पर उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थाननिर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं :—

Identify the following places marked on the outline map in the Question-cum-Answer Booklet supplied to you and write short notes of about 30 words on each of them in the space provided in the Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim :— **2½×20=50**

(i) एक पूर्व-पाषाण तथा मध्य-पाषाण स्थल।

A Palaeolithic and Mesolithic site. 2½

(ii) एक मध्य-पाषाण स्थल।

A Mesolithic site. 2½

(iii) एक रुकने का महत्त्वपूर्ण स्थान।

An important halting place. 2½

(iv) एक पूर्व-हड़प्पन स्थल।

A Pre-Harappan site. 2½

(v) महत्त्वपूर्ण हड़प्पन स्थल।

An important Harappan site. 2½

(vi) महत्त्वपूर्ण जीवावशेष स्थल।

Site of important fossils. 2½

(vii) एक पत्तन।

A Sea-port. 2½

(viii) एक पूर्व-पाषाण स्थल।

A Palaeolithic site. 2½

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

eVidyarthi
FREE Education

(ix) एक नव-पाषाण, महापाषाण तथा ताम्रपाषाण स्थल।

A Neolithic, Megalithic and Chalcolithic site. 2½

(x) एक हड़प्पन स्थल।

A Harappan site. 2½

(xi) एक पूर्व-पाषाण स्थल।

A Palaeolithic site. 2½

(xii) एक नवपाषाण स्थल।

A Neolithic site. 2½

(xiii) एक ताम्रपाषाण स्थल।

A Chalcolithic site. 2½

(xiv) एक ताम्रपाषण स्थल।

A Chalcolithic site. 2½

(xv) एक बौद्ध मठ का स्थान।

A site of Buddhist Monastery. 2½

(xvi) चित्रित धूसर-भांड स्थल।

Painted Grey Ware site. 2½

(xvii) प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक से सम्बन्धित स्थल।

Site related to a famous Indian Philosopher. 2½

(xviii) ऐतिहासिक गुहाएं।

Historical Rock-cut caves. 2½

(xix) एक प्रसिद्ध दुर्ग।

Famous Fort. 2½

(xx) प्रसिद्ध राजवंश की राजधानी।

Capital of famous Kingdom. 2½

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

eVidyarthi
FREE Education

INDIA

WITH AFGHĀNISTĀN, BĀNGLĀDESH, BHUTĀN,
NEPĀL, MYANMAR (BURMA), PĀKISTĀN AND SRI LANKA

DO NOT write your Roll No. on this sheet.

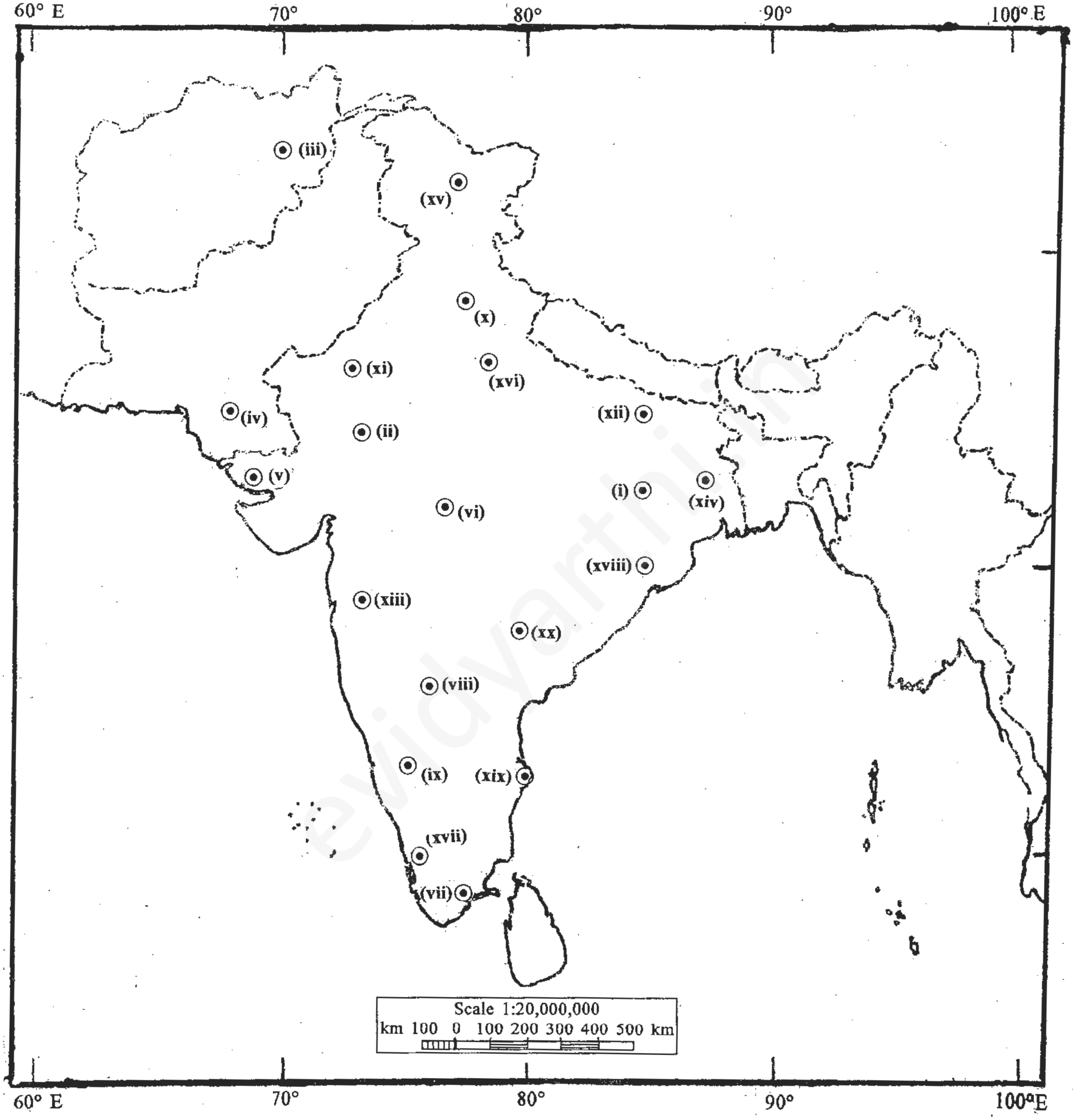

A-BRL-M-GJTA

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

eVidyarthi
FREE Education

Q. 2(a) वैदिक स्रोतों से मानव आवासों के विषय में जो सूचना प्राप्त होती है उसके विषय में विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिये।

Evaluate various views regarding human settlements as gleaned from the Vedic sources. 15

Q. 2(b) हड़प्पन (सिंधु-सरस्वती) नगरों में जल प्रबंधन तथा उसकी संरक्षण योजना की विवेचना कीजिये।

Discuss the water management and its conservation planning in the Harappan (Indus-Saraswati) cities. 20

Q. 2(c) लिखित लिपि के अभाव में ताम्रपाषाणीय मृद्भांड हमको समकालीन संस्कृति एवं जीवन शैलियों का अद्भुत ज्ञान देते हैं। आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

In the absence of a written script Chalcolithic pottery gives us a fascinating insight into the culture and life styles of the people of those times. Comment critically. 15

Q. 3(a) समकालीन स्रोतों के आधार पर प्राचीन भारत में बैंक व्यवस्था तथा सूद प्रथा (कुसीद प्रथा) की समीक्षा कीजिये।

On the basis of contemporary sources assess the nature of banking and usuary in ancient India. 15

Q. 3(b) धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र परंपरा में स्त्रियों के लिये सामाजिक नियम वर्णाश्रम प्रथा के आधार पर बने थे। आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

Social norms for women in the Dharmasastra and Arthasastra tradition were framed in accordance with the Varnashrama tradition. Evaluate critically. 20

Q. 3(c) "वर्ण अवधारणा सदैव ही अधिकांश रूप से सैद्धांतिक प्रतिमान रहा है तथा कभी भी समाज का वास्तविक वर्णन नहीं।" प्राचीन भारत के संदर्भ में टिप्पणी कीजिये।

"The varna concept may always have been largely a theoretical model and never an actual description of society." Comment in the context of Ancient India. 15

Q. 4(a) प्राचीन भारत में जन-साधारण के मध्य लौकिक ज्ञान के प्रसार में पुराणों के योगदान की समीक्षा कीजिये।

Evaluate the contribution of the Puranas in disseminating secular knowledge among the masses in ancient India. 15

Q. 4(b) प्राचीन भारत में साहित्यिक तथा अभिलेखिक स्रोतों के आधार पर भूमि स्वामित्व की समीक्षा कीजिये।

Evaluate the ownership of land in ancient India on the basis of literary and epigraphic sources. 15

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

eVidyarthi
FREE Education

Q.4(c) व्याख्या कीजिये कि कैसे प्रारम्भिक स्तूप कला ने लोक अभिप्राय तथा कथाएं तथा सामान्य सांस्कृतिक प्रतीकों को प्रयोग करते हुए इन विषयों को बौद्ध आदर्शों में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की।

Explain as to how the early Buddhist Stupa art, while using folk motifs and narratives and common cultural symbols, succeeded in transforming these themes for expounding the Buddhist ideals. 20

खण्ड—ब

SECTION—B

Q.5. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :—

Write short notes in not more than 150 words on each of the following :— 10×5=50

Q. 5(a) मध्यकालीन इतिहास में मलफ़ुज़ात ग्रंथों की स्रोतों के रूप में समीक्षा कीजिये।

Evaluate the Malfuzat texts as sources of medieval history. 10

Q. 5(b) बहमनी राज्य में समाज तथा अर्थव्यवस्था की ऐतिहासिक स्रोतों के आधार पर समीक्षा कीजिये।

Discuss the state of society and economy of the Bahmani kingdom as gleaned from historical sources. 10

Q. 5(c) मुगल–काल में यूरोप के साथ भारतीय व्यापार का चित्रण दीजिये।

Give a sketch of Indian trade with Europe during the Mughal period. 10

Q. 5(d) विभिन्न बाधाओं के बावजूद स्वतंत्र शासक के रूप में अपनी परिस्थिति सुदृढ़ करने के लिये रज़िया सुल्तान ने जो कदम उठाए उनका विश्लेषण कीजिये।

Analyze the steps taken by Razia Sultan to strengthen her position as an independent ruler despite the various obstacles. 10

Q. 5(e) लाल देद की भक्ति तथा रहस्यवाद काश्मीर में सामाजिक शक्ति के रूप में उभरी। टिप्पणी कीजिये।

Bhakti and mysticism of Lal Ded emerged as a social force in Kashmir. Comment. 10

Q. 6(a) 1200—1500 ईस्वी के मध्य भारत में उद्योगों की परिस्थिति की समीक्षा कीजिये।

Evaluate the conditions of industries in India from 1200—1500 CE. 20

Q. 6(b) समकालीन स्रोतों के आधार पर विजयनगर राज्य की कृषि तथा सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा कीजिये।

On the basis of contemporary sources evaluate the system of agriculture and irrigation of the Vijayanagar kingdom. 15

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

eVidyarthi
FREE Education

Q. 6(c) सल्तनत-काल में शिक्षा के विकास की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

Critically evaluate the educational development during the Sultanate period. 15

Q. 7(a) यूरोपीयों के वृत्तांतों के आधार पर 17वीं शताब्दी ईस्वी में भारत के कृषि संकट पर प्रकाश डालिये।

On the basis of the accounts of Europeans bring out the agrarian crisis of the 17th century CE India. 20

Q. 7(b) ऐतिहासिक स्रोतों के आधार पर 1200—1500 ईस्वी के मध्य श्रमिकों की परिस्थिति पर आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

Evaluate critically the conditions of labour from 1200—1500 CE on the basis of historical sources. 15

Q. 7(c) भक्ति के इतिहास लेखन में विभिन्न प्रवृत्तियों की विवेचना तथा समीक्षा कीजिये।

Discuss and evaluate critically various trends in the historiography of *bhakti*. 15

Q. 8(a) विश्लेषण कीजिये कि कैसे 10वीं—15वीं शताब्दियों के मध्य मेवाड़ के राज्य निर्माण की राजनैतिक प्रक्रिया 16वीं शताब्दी में अकबर की साम्राज्यवादी नीति द्वारा चुनौतीग्रस्त हो गयी थी।

Analyze how the political process of state formation of Mewar from 10th—15th century CE was challenged in the 16th century CE by the imperialist policy of Akbar. 15

Q. 8(b) एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में *लेखपद्धति* की समीक्षा कीजिये कि वह गुजरात के विशेष संदर्भ में कैसे तेरहवीं शताब्दी ईस्वी के समाज तथा अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालती है।

Assess the *Lekhapaddhati* as an important source for evaluating the society and economy of the thirteenth century CE with special reference to Gujarat. 15

Q. 8(c) मुगल-काल में विज्ञान तथा तकनीकी के विकास की समीक्षा कीजिये।

Assess the development of Science and Technology in the Mughal period. 20

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers